शुगर एक्सपोर्ट की जल्द मिलेगी इजाजत

एक्सपोर्ट के लिए नोटिफिकेशन जारी करेगी फूड मिनिस्ट्री

[ऋतुराज तिवारी *नई दिल्ली*]

सरकार 2012-13 सीजन के लिए जल्द शुगर एक्सपोर्ट की इजाजत दे सकती है। एक्सपोर्ट शुरू करने के लिए फूड मिनिस्ट्री जल्द ही नोटिफिकेशन जारी करेगी। ब्राजील से ज्यादा सप्लाई के कारण चीनी की ग्लोबल कीमतों में तेज गिरावट आ रही है। लिहाजा, एक्सपोर्टर्स के लिए यह सौदा फायदेमंद नहीं हो सकता है। फूड मिनिस्ट्री के एक अधिकारी ने बताया, 'अक्टूबर 2012 से शुरू हुए फ्रेश सीजन में शुगर एक्सपोर्ट की इजाजत के लिए जल्द निर्देश जारी किए जाएंगे।'

शुगर एक्सपोर्ट ओपन जनरल लाइसेंस के तहत किया जाएगा, जिसमें एक्सपोर्टर्स को डायरेक्टर जनरल फॉरेन ट्रेड (डीजीएफटी) से रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट (आरसी) हासिल करना पड़ेगा। अधिकारी ने बताया, 'एक्सपोर्टर्स एक बार में अधिकतम 20,000 टन शुगर एक्सपोर्ट करने के लिए आरसी हासिल कर सकते हैं। कम से कम 10,00 टन एक्सपोर्ट करने के बाद एक्सपोर्टर्स एक और आरसी के लिए सप्लाई कर सकते हैं।

पिछले महीने डीजीएफटी पहले ही शुगर एक्सपोर्ट से जुड़ा नोटिफिकेशन जारी कर चुका है। अधिकारी ने बताया, 'डीजीएफटी के नोटफिकेशन में शुगर सीजन का जिक्र किया गया है। लिहाजा, इस पर दुविधा कायम है। करेंट सीजन में एक्सपोर्ट के लिए उपलब्ध शुगर के बारे में अंदाजा लगाने के लिए डीजीएफटी को फूड मिनिस्ट्री के साथ मिलकर काम करना चाहिए था। अब फूड मिनिस्ट्री के शुगर एक्सपोर्ट पर निर्देश जारी करने के बाद डीजीएफटी को फ्रेश नोटिफिकेशन जारी करना होगा।'

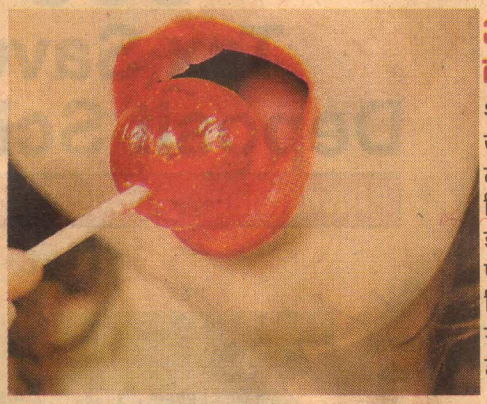

ओजीएल के तहत एक्सपोर्ट

शुगर एक्सपोर्ट ओपन जनरल लाइसेंस के तहत किया जाएगा, जिसमें एक्सपोर्टर्स को डायरेक्टर जनरल फॉरेन ट्रेड से इसके लिए रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट (आरसी) हासिल करना पड़ेगा

इस बीच, सरकार ने फार्मास्युटिकल ग्रेड और स्पेशल शुगर के लिए एक्सपोर्ट नियमों में ढील दी है। इसके लिए किसी भी तरह के रजिस्ट्रेशन की जरूरत नहीं होगी। कॉमर्स मिनिस्ट्री के नोटिफिकेशन में कहा गया है, 'ऐसे शुगर के एक्सपोर्ट के लिए डीजीएफटी के साथ रजिस्ट्रेशन की जरूरत नहीं पड़ेगी।'

देश में लगातार तीसरे साल सरप्लस शुगर का प्रोडक्शन होने के आसार हैं। जहां सरकार ने इस साल 2.4 करोड़ टन शुगर के प्रोडक्शन का अनुमान लगाया है, जबकि इंडस्ट्री को 2.45 करोड़ टन उत्पादन की उम्मीद है।

पिछले साल चीनी का रिकॉर्ड 2.62 करोड़ टन प्रोडक्शन हुआ था। फूड मिनिस्ट्री के एक और अधिकारी ने बताया, 'इस साल भी कम से कम 15 लाख टन एक्सपोर्ट करने की गुंजाइश है।'